



## Filler Form National Test For UGC NET

Get Up To 90%Scholarships!

**Enroll Now!** 









NET Dec 2022 Exam -21 Feb

NET June 2023 Exam - 13 June

www.fillerform.info







MP SET 2023
Raj SET 2023
All SET Exam
2023



# UGC NET 2023









09:00 AM

10:00 AM

11:00 AM

09:00 PM





#### Positivism and Post Positivism Approach to Research

#### 1. Positivist paradigm

The term positivism was coined by the French philosopher Auguste Comte in the 19th century and reflected through by Francis Bacon, John Locke, Isaac Newton. The term positivist has no negative connotation.

In philosophy, positivism mainly adheres to the idea that 'factual' knowledge gained through observation is trustworthy.

Positivism relies upon quantifiable perceptions that prompted measurable examinations.

#### 1. सकारात्मक प्रतिमान

प्रत्यक्षवाद शब्द 19वीं शताब्दी में फ्रांसीसी दार्शनिक अगस्टे कॉम्टे द्वारा गढा गया था और फ्रांसिस बेकन, जॉन लोके, आइंजैक न्यूटन द्वारा प्रतिबिंबित किया गया था। प्रत्यक्षवादी शब्द का कोई नकारात्मक अर्थ नहीं है। दर्शनशास्त्र में, प्रत्यक्षवादं मुख्य रूप से इस विचार का पालन करता है कि अवलोकन के माध्यम से प्राप्त 'तथ्यात्मक' ज्ञान विश्वसनीय है। प्रत्यक्षवाद मात्रात्मक धारणाओं पर निर्भर करता है जिसने औसत दर्जे की परीक्षाओं को प्रेरित किया।

Here, the role of the researcher is limited to collect data collection and interpretation in an objective way.

Positivists usually adopt the deductive approach, the concentration is on facts.

The researcher is independent that means maintaining minimal interaction with participants and research is purely objective & the world is external.

There is one reality, knowable within probability.

यहां, शोधकर्ता की भूमिका वस्तुनिष्ठ तरीके से डेटा संग्रह और व्याख्या करने तक सीमित है। प्रत्यक्षवादी आमतौर पर कटौतीत्मक हंष्ट्रिकोण अपनाते हैं, एकाग्रता तथ्यों पर होती है। शोधकर्ता स्वतंत्र है जिसका अर्थ है कि प्रतिभागियों के साथ न्यूनतम संपर्क बनाए रखना और अन्संधान विशुद्ध रूपं से उद्देश्यपूर्ण है

#### 2. Scientifically, positivism relies on the following aspects of science:

- Science is deterministic as it explains the cause and effect relationships.
- Science is mechanistic as researchers develop hypotheses to be proved or disapproved via the application of specific research methods.

विज्ञान नियतात्मक है क्योंकि यह कारण और प्रभाव संबंधों की व्याख्या करता है। विज्ञान यंत्रवत है क्योंकि शोधकर्ता विशिष्ट अनुसंधान विधियों के आवेदन के माध्यम से सिद्ध या अस्वीकृत होने वाली परिकल्पना विकसित करते हैं।

- Science uses methods such as the selection of sample, measurements, analysis and reaching conclusions about the hypothesis.
- Science deals with empiricism, where it is assessed as objective, as seen or measured. Science must be value-free.

विज्ञान नमूने के चयन, माप, विश्लेषण और परिकल्पना के बारे में निष्कर्ष तक पहुँचने जैसी विधियों का उपयोग करता है। विज्ञान अनुभववाद से संबंधित है, जहाँ इसका मूल्यांकन उद्देश्य के रूप में किया जाता है, जैसा कि देखा या मापा जाता है। विज्ञान मूल्य-मुक्त होना चाहिए।

## 3. Drawbacks of positivism

a. Positivism as epistemology is related with the accompanying arrangement of impediments.

Positivism depends on involvement as a legitimate source of knowledge and information. A wide range of procedures can be seen as a specific variety of activities of people or connections between people.

एक। ज्ञानमीमांसा के रूप में प्रत्यक्षवाद बाधाओं की संगत व्यवस्था से संबंधित है।

प्रत्यक्षवाद ज्ञान और सूचना के एक वैध स्रोत के रूप में भागीदारी पर निर्भर करता है। प्रक्रियाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को लोगों की विशिष्ट गतिविधियों या लोगों के बीच संबंधों के रूप में देखा जा सकता है।

- Appropriation of positivism in business studies and different examinations can be reprimanded for dependence on the norm.
- Sometimes positivism is a rejection of metaphysics. It is a place that holds the objective of learning which is simply to describe the phenomena that we experience.

व्यावसायिक अध्ययन और विभिन्न परीक्षाओं में सकारात्मकता के विनियोग को मानक पर निर्भरता के लिए फटकार लगाई जा सकती है। कभी-कभी प्रत्यक्षवाद तत्वमीमांसा की अस्वीकृति है। यह एक ऐसा स्थान है जो सीखने का उद्देश्य रखता है जो केवल उस घटना का वर्णन करना है जिसे हम अनुभव करते हैं।

## 4. Post – positivism

As we discussed, positivism is associated with quantitative research strategies. There is one specific perspective on how research ought to be directed, which suggests what we should carry out research in social sciences in ways that are similar to the methods within the natural sciences.

> जैसा कि हमने चर्चा की, प्रत्यक्षवाद मात्रात्मक अनुसंधान रणनीतियों से जुड़ा है। अनुसंधान को कैसे निर्देशित किया जाना चाहिए, इस पर एक विशिष्ट परिप्रेक्ष्य है, जो सुझाव देता है कि हमें सामाजिक विज्ञानों में किस तरह से शोध करना चाहिए जो प्राकृतिक विज्ञानों के तरीकों के समान हैं।

- - Two people observe the same event but understand it differently, based upon their own experiences and beliefs.
  - Objectivity can be achieved by using multiple measurements, observations and triangulating the data to gain a more clear comprehension of what's going on as a general rule.

दो लोग एक ही घटना को देखते हैं लेकिन अपने स्वयं के अनुभवों और विश्वासों के आधार पर इसे अलग तरह से समझते हैं। एक सामान्य नियम के रूप में क्या हो रहा है, इंसकी अधिक स्पष्ट समझ हासिल करने के लिए कई मापों, टिप्पणियों और डेटा को त्रिकोणीय बनाकर वस्तुनिष्ठता प्राप्त की जा सकती है।

- - It is important to note that the post-positivists share a lot in common with positivists, but most of the research approaches and practices in social science today fit better into the post-positivist category.
  - Since the inception of the 21st century, the focus of research shifted from 'reality' to 'critical reality'.

यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि उत्तर-प्रत्यक्षवादी प्रत्यक्षवादियों के साथ बहुत कुछ साझा करते हैं, लेकिन आज सामाजिक विज्ञान में अधिकांश अनुसंधान दृष्टिकोण और अभ्यास उत्तर-प्रत्यक्षवादी श्रेणी में बेहतर रूप से फिट होते हैं। 21वीं सदी की शुरुआत के बाद से, अनुसंधान का ध्यान 'वास्तविकता' से 'महत्वपूर्ण वास्तविकता' पर स्थानांतरित हो गया।

- Physicists like Werner Heisenberg and Niels Bohr focused on this reality.
- The emphasis was turned away from absolute certainty to probability.
- Now, the scientist was portrayed as a person who constructs knowledge, instead of just passively noting the laws of nature and no matter how faithfully the scientist adheres to scientifically method research, research outcomes are neither totally objective nor unquestionably certain.

वर्नर हाइजेनबर्ग और नील्स बोह्र जैसे भौतिकविदों ने इस वास्तविकता पर ध्यान केंद्रित किया। पूर्ण निश्चितता से संभाव्यता पर जोर दिया गया था। अंब, वैज्ञानिक को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया था जो ज्ञान का निर्माण करता है. केवल प्रकृति के नियमों को निष्क्रिय रूप से नोट करने के बजाय और चाहे वैज्ञानिक कितनी भी ईमानदारी से वैज्ञानिक त्रीके से अनुसंधान का पालन करता हो, शोध के परिणाम न तो पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ होते हैं और न ही निर्विवाद रूप से निश्चित होते हैं।

- - This approach was called up as post-positivism, which it describes as a less strict form of positivism.
  - Post positivists support the idea that social scientists and natural scientists share the same goals for research and employ similar methods of investigation.
  - It tends to be distinguished from positivism as indicated by whether the attention is on hypothesis verification(positivism) or on theory misrepresentation(post-positivism).

इस दृष्टिकोण को पश्च-प्रत्यक्षवाद कहा जाता था, जिसे वह प्रत्यक्षवाद के कम सख्त रूप के रूप में वर्णित करता है। पोस्ट पॉज़िटिविस्ट इस विचार का समर्थन करते हैं कि सामाजिक वैज्ञानिक और प्राकृतिक वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए समान लक्ष्य साझा करते हैं और जांच के समान तरीकों को नियोजित करते हैं। यह प्रत्यक्षवाद से अलग होने की प्रवृत्ति रखता है, जैसा कि इस बात से संकेत मिलता है कि क्या ध्यान परिकल्पना सत्यापन (प्रत्यक्षवाद) पर है या सिद्धांत गलत बयानी (प्रत्यक्षवाद के बाद) पर है।



- 1. 09 jan –introduction / characeterstics
- 2. 10 jan positivism and post positivism
- 3.



All playlists ∨

### Created playlists

Updated yesterday

View full playlist



UGC NET 2023-ICT UGC NET 2023- Unit 5

Updated today View full playlist

UGC NET 2023 - Unit 1

UGC NET 2023

Updated today

Updated today

Updated today

View full playlist

View full playlist

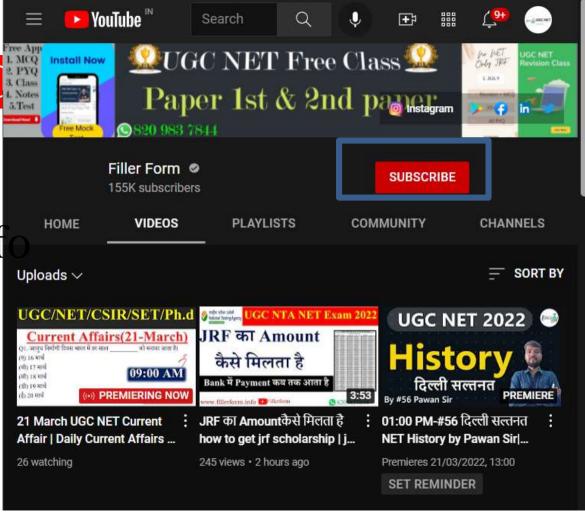
View full playlist



## How to Join Free C

823365114

www.Fillerform.inf





## How to Paid Class

**9**823365114

www.Fillerform.info





जिसने भी खुद को खर्च किया है, DUNIYA ने उसी को GOOGLE पर SEARCH किया है।।



